11.24 hrs.

APPROPRIATION (RAILWAYS) NO. 4 BILL, 2003*

Title: Introduction and passing of the Appropriation (Railways) No. 4 Bill, 2003 (Bill introduced and passed)

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): I beg to move for leave to introduce a Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2003-04 for the purposes of Railways.

MR. SPEAKER: The question is:

> "That leave be granted to introduce a Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2003-04 for the purposes of Railways."

The motion was adopted.

SHRI NITISH KUMAR: I introduce** the Bill.

SHRI NITISH KUMAR: Sir, I beg to move:

> "That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2003-2004 for the purposes of Railways, be taken into consideration."

MR. SPEAKER: Motion moved:

> "That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2003-2004 for the purposes of Railways, be taken into consideration."

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, माननीय रेल मंत्री जी अनुपूरक बजट लाये हैं, लेकिन सदन को मालूम है(व्यवधान)

श्री वी.धनञ्जय कुमार (मंगलौर) : आप ऐसा-ऐसा क्या कर रहे हैं?

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : तो आप खड़े रहिये।

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश प्रसाद जी, आपको मैंने इजाजत दी है, आप बोलिये।

* Published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section-2, dt.18.8.2003

** Intorudced with the recommendation of the President.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, सदन को मालूम है, आपने इस पर कुछ सवाल उठाने की अनुमति देने की कृपा की है। वैशाली लोकतंत्र की जननी है, महावीर की जन्मभूमि है और भगवान बुद्ध की कर्मभूमि है। उसे रेल से जोड़ने की मांग 1904 से वहां की जनता कर रही है और हर सैशन में वह सवाल उठता है। रेल बजट पर और अनुपूरक बजट पर कोई सत्र बाकी नहीं है, जिसमें हमने सवाल नहीं उठाया। उसका सर्वेक्षण हुआ, सर्वेक्षण के लिए शिलान्यास 17 फरवरी सन् 1997 को कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्य तिथि के दिन तत्कालीन मंत्री श्री रामविलास पासवान जी बैठे हुए हैं, इन्होंने किया। इस सप्लीमेंटरी बजट में हम खोज रहे हैं कि हाजीपुर वैशाली सुगौली नई रेलवे लाइन कहां है। इधर सुना कि केबिनेट ने उसे पास कर दिया, लेकिन अनुपूरक बजट में उसके लिए कितना प्रबन्ध हुआ, उसका शिलान्यास होगा कि नहीं या सरकार की विदाई पहले ही हो जायेगी? शिलान्यास कब होगा, यह मैं जानना चाहता हूं और उसी के लिए मैंने हाजीपुर वैशाली सुगौली, जो नई रेलवे लाइन बिछाने की वहां की करोड़ों जनता की मांग है, उसके लिए कितना अनुपूरक बजट में इन्होंने प्रावधान किया है और कब उसका शिलान्यास होगा, प्रधानमंत्री जी कब उसका शिलान्यास करेंगे, यह मैं जानना चाहता था?

अध्यक्ष महोदय : मैं केवल जानना चाहता था कि वे क्या बोलना चाहते हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अनुपूरक बजट में उसका प्रबन्ध किया जाना चाहिए, यह हमारी मांग है।(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will follow the decision taken by the Business Advisory Committee.

(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं इस विाय पर चर्चा शुरू नहीं कर रहा हूं। प्लीज बैठिये। मैं यह कहना चाहूंगा कि जो निर्णय बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में होता है, उसके अनुसार सदन का काम चलता है और इस काम का विरोध करने की कोशिश मत कीजिए। प्लीज बैठिये।

...(व्यवधान)

श्री कांतिलाल भूरिया (झाबुआ) : इस सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों की उपेक्षा की है। हमारे नेता स्वर्गीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी ने इसकी स्वीकृति दी थी, लेकिन इस सरकार ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। आदिवासी क्षेत्रों की उपेक्षा की जा रही है। मेरा आपसे अनुरोध है कि वहां रेलवे लाइन देने का आप प्रावधान करेंगे क्या?(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपका कोई प्रश्न है तो पूछिये, नहीं तो मंत्री जी उत्तर देंगे। आप केवल प्रश्न पूछिये।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : मेरा आग्रह है कि कटिहार से जोगबनी बड़ी रेलवे लाइन का सर्वेक्षण हुआ और शिलान्यास भी हो गया, लेकिन क्या कारण है कि कटिहार जोगबनी बड़ी रेलवे लाइन जो द्रुत गति से चलनी चाहिए, वह पूरी नहीं हो पाई और पूर्णिया जंक्शन से सहरसा वाया मधेपुरा मात्र 100 किलोमीटर जब दोनों तरफ से आप बड़ी लाइन दे दिये तो क्या उस छोटी लाइन को जो मात्र 100 किलोमीटर है, को भी रेलवे लाइन देने का कोई प्रावधान नहीं है, क्या आपकी फीलिंग में पूर्णिया से सहरसा(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यादव जी, बैठिये, आपसे मैं एक बात कहूंगा।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : इसका जवाब तो दे दें।

अध्यक्ष महोदय : आपसे मैं फिर एक बार कहूंगा कि मुझे हाउस का बिजनेस पूरा करना है, पार्टी लीडर्स ने एग्री किया है कि आज दूसरा बिजनेस नहीं होगा, इसीलिए मैं इसके ऊपर जा रहा हूं। आपकी पार्टी के नेताओं को पूछकर आप फिर बोलिये। मंत्री जी उत्तर दीजिए।

श्री नीतीश कुमार : अध्यक्ष महोदय, आपने श्री रघुवंश प्रसाद सिंह जी को इजाजत दी थी।

उन्होंने एक रेलवे परियोजना हाजीपुर-सुगौली वाया वैशाली की चर्चा की है। मैं उनका ध्यान सप्लीमैंट्री डिमांड्स फॉर ग्रांट्स की ओर आकर्ति करना चाहता हूं। अगर वह उसका पेज नम्बर तीन देखते तो अनुपूरक मांग का हमारा जो प्रस्ताव है (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने जब आपको इजाजत दी तब आप सुनते नहीं हैं। ऐसा सदन में नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

श्री नीतीश कुमार : उसमें कई कामों के लिए प्रस्ताव है। (व्यवधान)इसमें एक हाजीपुर-सुगौली वरास्ता वैशाली नयी बड़ी रेल लाइन का निर्माण है जो कि 148.3 किलोमीटर है। इसमें कुल लागत 324 करोड़ 66 लाख रुपये आयेगी। इसके लिए हमने सप्लीमैंट्री डिमांड्स फॉर ग्रांट्स में प्रस्ताव रखा है। यह पूरा बुद्धिस्ट सर्किट का निर्माण करेगा और वैशाली को जोड़ेगा। यह प्रस्ताव इसमें किया गया है। (व्यवधान)

SARDAR BUTA SINGH (JALORE): My question is that sections running through Samdari-Jalore-Bhildi and Palanpur have been kept pending for ten years. I would like to know when the hon. Minister is going to start the work on this. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The question is:

> "That the Bill to authorise payment and appropriation of certain further sums from and out of the Consolidated Fund of India for the services of the financial year 2003-2004 for the purposes of Railways, be taken into consideration "

The motion was adopted.

MR. SPEAKER: The House will now take up clause-by-clause consideration of the Bill.

The question is:

"That clauses 2 and 3 stand part of the Bill."

The motion was adopted.

Clauses 2 and 3 were added to the Bill.

The Schedule was added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Long Title were added to the Bill.

MR. SPEAKER: Now, the hon. Minister may move that the Bill be passed.

SHRI NITISH KUMAR: Sir, I beg to move:

"That the Bill be passed."

MR. SPEAKER: The question:

"That the Bill be passed."

The motion was adopted.